Celebration of National Space Day

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 25-08-2025**

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : प्रो. सुनीता श्रीवास्तव

हकेवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस 23 अगस्त 2023 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान- 3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना। इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए 2013 के मंगलयान मिशन का उल्लेख किया, जिसने भारत को एशिया का पहला और विश्व का सबसे किफायती मंगल मिशन करने वाला देश बनाया। इसी के साथ उन्होंने 2023 में प्रक्षेपित आदित्य-एल वन मिशन का उल्लेख किया, जो सूर्य के बाहरी परतों और सौर गतिविधियों के अध्ययन के लिए भारत का पहला सौर वेधशाला मिशन है। प्रो. श्रीवास्तव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को चंद्रयान-3 की सफलता की याद

हकेवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

दिलाते हुए इस बात पर बल दिया कि इस मिशन ने भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया। उन्होंने आगामी गगनयान मिशन—भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम—सहित इसरो की भविष्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे शुक्रयान (शुक्र ग्रह पर कक्षा अध्ययन मिशन), चंद्रयान-4 (लूनर सैंपल रिटर्न मिशन) और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि प्रत्येक महान मिशन एक दृष्टि, जिज्ञासा, समर्पण और नवाचार से शुरू होता है। इस अवसर ने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि भारत के अंतरिक्ष अभियानों की विरासत को आगे बढ़ाने और नए अध्याय लिखने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि भविष्य की खोज और अन्वेषण के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

हकेवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-08-2025**

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस भारत की उपलब्धि : प्रो. सुनीता

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। स्रोत : हकेंवि

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह दिवस 23 अगस्त 2023 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान- 3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था।

इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना। इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस घोषित किया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की। कहा कि भारत की उपलब्धि का प्रतीक राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है। उन्होंने भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए 2013 के मंगलयान मिशन का उल्लेख किया।

विद्यार्थियों को चंद्रयान-3 की सफलता बताते हुए कहा कि मिशन ने भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया। उन्होंने गगनयान मिशन- भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम-सहित इसरो की भविष्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे शुक्रयान, चंद्रयान-4 और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में भी जानकारी दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-08-2025**

देश की ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है अंतरिक्ष दिवस : सुनीता

हेकेवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में संबोधित करतीं प्रो. सुनीता

संस, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दिवस 23 अगस्त 2023 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में मनाया जाता है, जब इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के तहत विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए मंगलयान मिशन का उल्लेख किया, जिसने भारत को एशिया का पहला और विश्व का सबसे किफायती मंगल मिशन करने वाला देश बनाया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 25-08-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : प्रो सुनीता श्रीवास्तव।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस 23 अगस्त 2023 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान- 3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना।

इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' घोषित किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नि?र्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए 2013 के मंगलयान मिशन का उल्लेख किया, जिसने भारत को एशिया का पहला और विश्व का सबसे किफायती मंगल मिशन करने वाला देश बनाया। इसी के साथ उन्होंने 2023 में प्रक्षेपित आदित्य-एल वन मिशन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भौतिक एवं भौतिक भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव के साथ विशेषज्ञ, शिक्षक एवं विद्यार्थी।

का उल्लेख किया, जो सूर्य के बाहरी परतों और सौर गतिविधियों के अध्ययन के लिए भारत का पहला सौर वेधशाला मिशन है। प्रो. श्रीवास्तव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को चंद्रयान-3 की सफलता की याद दिलाते हुए इस बात पर बल दिया कि इस मिशन ने भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया। उन्होंने आगामी गगनयान मिशन—भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम—सहित इसरो की भविष्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे शुक्रयान (शुक्र ग्रह पर कक्षा अध्ययन मिशन), चंद्रयान-4 (लूनर सैंपल रिटर्न मिशन) और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि प्रत्येक महान मिशन एक दृष्टि, जिज्ञासा, समर्पण और नवाचार से शुरू होता है। इस अवसर ने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि भारत के अंतरिक्ष अभियानों की विरासत को आगे बढ़ाने और नए अध्याय लिखने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि भविष्य की खोज और अन्वेषण के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-08-2025**

हरियाणा केंद्रीय विवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस उस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना था। इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' घोषित किया था। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 25-08-2025**

हकेवि महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कार्यक्रम

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक अंतरिक्ष दिवस: प्रो. सुनीता

इस वर्ष का विषय, 'आर्यभट्ट से गगनयान तक'

नारनौल, 24 अगस्त (विजय कौशिक): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह दिवस 23 अगस्त 2023 की उस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाया जाता है, जब विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर के साथ चंद्रयान-3 मिशन के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरने का इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला और चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना। इस गौरवशाली क्षण की याद में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' घोषित किया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने की। उन्होंने भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए 2013 के मंगलयान मिशन का उल्लेख किया, जिसने भारत को एशिया का पहला और विश्व का सबसे किफायती मंगल मिशन करने वाला देश बनाया।

इसी के साथ उन्होंने 2023 में प्रक्षेपित आदित्य-एल वन मिशन का उल्लेख किया, जो सूर्य के बाहरी परतों और सौर गतिविधियों के अध्ययन के लिए भारत का पहला सौर वेधशाला मिशन है। प्रो. श्रीवास्तव ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को चंद्रयान-3 की सफलता की याद दिलाते हुए इस बात पर बल दिया कि इस मिशन ने भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में वैश्विक पहचान को और सुदृढ़ किया। उन्होंने आगामी गगनयान मिशन—भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम—सहित इसरो की भविष्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे शुक्रयान (शुक्र ग्रह पर कक्षा अध्ययन मिशन), चंद्रयान-4 (लूनर सैंपल रिटर्न मिशन) और 2035 तक प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि प्रत्येक महान मिशन एक दृष्टि, जिज्ञासा, समर्पण और नवाचार से शुरू होता है। इस अवसर ने विद्यार्थियों को याद दिलाया कि भारत के अंतरिक्ष अभियानों की विरासत को आगे बढ़ाने और नए अध्याय लिखने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि भविष्य की खोज और अन्वेषण के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।